चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9-2-24	04	2-5

जेडआरईएसी की बैठक में कपास की गुलाबी सुंडी और धान में विषाणु जनित रोग के निदान पर चर्चा

समिति ने पिछले खरीफ मौसम में आयोजित कृषि परीक्षणों के परिणामों पर किया मंथन

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग की अध्यक्षता में खरीफ फसलों के लिए हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति जेडआरईएसी की बैठक हुई।

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों तथा अनुभागों के अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिकों और हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, जींद व भिवानी जिले के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, बागवानी विभाग के अधिकारियों के अलावा कृषि विज्ञान केंद्र के समन्वयकों ने भी भाग लिया।

अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज के मार्गदर्शन में अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों से मिलजुल कर किसान हित में काम करने के लिए आग्रह किया तथा क्षेत्रीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य रूप से कपास में गुलाबी सुंडी, उखेड़ा रोग, धान में विषाणु के कारण होने वाले बौनापन रोग, गेहूं में पीलापन, सरसों में सफेद रतुआ एवं तना गलन, चने में अमेरिकन सुंडी, चारा फसल बरसीम में तना गलन रोग तथा कई कटाई वाली जई में उर्वरक प्रबंधन आदि समस्याओं को लेकर बैठक में विस्तार से चर्चा की गई तथा संबंधित वैज्ञानिकों ने इन सभी समस्याओं का समाधान बताया।

इसके अलावा कृषि वैज्ञानिकों ने फसलवार प्रस्तुतियां दीं, जिनमें अनुशंसित किस्मों, फसल उत्पादन प्रौद्योगिकियों, पौध संरक्षण उपायों और क्षेत्र की विभिन्न कृषि-जलवायु परिस्थितियों में किसानों द्वारा सामना की जाने वाली उभरती चुनौतियों के प्रदर्शन के बारे में बताया।

समिति के अधिकारियों ने पिछले खरीफ मौसम में आयोजित कृषि परीक्षणों के परिणामों पर चर्चा की। आगे आने वाले खरीफ मौसम में आयोजित किए जाने वाले कृषि परीक्षणों को अंतिम रूप दिया। संबंधित विभागों से प्राप्त सुझावों को शामिल किया गया ताकि सिफारिशें अधिक किसान-केंद्रित और व्यावहारिक बन सके।

हकृवि में जेडआरईएसी बैठक को संबोधित करते डा. राजबीर गर्ग • जागरण

खरपतवार की समस्या संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की

कृषि अधिकारियों ने पिछले खरीफ व वर्तमान रबी मौसम में विभिन्न फसलों के अंतर्गत बिजाई क्षेत्र तथा समस्याओं जैसे कीट व बीमारियों का प्रकोप, पौधों में पोषक तत्वों की कमी, खरपतवार की समस्या संबंधी रिपोर्ट बैठक में प्रस्तुत की। बैठक के समन्वयक डा. भूपेंद्र सिंह, सहायक निदेशक ने सभी का स्वागत किया। संयुक्त निदेशक डा. सुरेश कुमार भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9-2-26	04	1-3

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति की हुई बैठक

एचएयू में कपास में गुलाबी सुंडी, धान में बौनापन, गेहूं में पीलापन रोग पर चर्चा

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के सायना नेहवाल संस्थान में खरीफ फसलों को लेकर हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति की बैठक हुई। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग की अध्यक्षता में हुई बैठक में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, जींद और भिवानी के कृषि विशेषज्ञों ने आगामी सीजन की चुनौतियों पर रोडमैप तैयार किया। बैठक में वैज्ञानिकों ने उन रोगों और कीटों पर चर्चा की, जो पिछले कुछ समय से किसानों की कमाई पर चोट कर रहे हैं। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय किसानों की समस्याओं के जमीनी समाधान के लिए काम कर रहा है।

हिसार | एचएयू में अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति सदस्य मीटिंग करते। समन्वयक सहायक निदेशक कीट विज्ञान डॉ. भूपेंद्र सिंह, संयुक्त निदेशक डॉ. सुरेश कुमार भी उपस्थित थे।

फसलों के रोगों पर मंथन

- कपास उखेड़ा
- धान होने
- सरसों रतुआ,
- गेहूं
- चना चारे बरसीम

गुलाबी सुंडी और रोग का प्रबंधन। वायरस के कारण वाला बौनापन सरसों में सफेद तना गलन पीलापन। अमेरिकन सुंडी और वाली फसलों व जई में खाद

अफसरों ने दिया फीडबैक

विभिन्न जिलों से आए कृषि अधिकारियों ने पिछले खरीफ और वर्तमान रबी सीजन की ग्राउंड रिपोर्ट पेश की। इसमें बताया कि किन क्षेत्रों में पोषक तत्वों की कमी रही और कहां खरपतवार की समस्या अधिक देखी गई। समिति ने पिछले परीक्षणों के परिणामों की समीक्षा की और आगामी खरीफ सीजन के लिए नए परीक्षणों को अंतिम रूप दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दहि-भूमि	9-2-26	11	6-8

किसान हित में काम करें अधिकारी

क्षेत्रीय अनुसंधान व विस्तार सलाहकार समिति ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग की अध्यक्षता में खरीफ फसलों के लिए हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जैडआरईएसी) की बैठक हुई। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों तथा अनुभागों के अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिकों और हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, जींद तथा भिवानी जिला के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, बागवानी विभाग के अधिकारियों के अलावा कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयकों ने भी भाग लिया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बैठक में कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों से मिलजुल कर किसान हित में काम करने के लिए आग्रह किया तथा क्षेत्रीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इन समस्याओं का बताया समाधान मुख्य रूप से कपास में गुलाबी सुंडी, उखेड़ा रोग, धान में विषाणु के कारण होने वाले बौनापन रोग, गेहूं में पीलापन, सरसों में सफेद रतुआ एवं तना गलन, चने में अमेरिकन सुंडी, चारा फसल बरसीम में तना गलन रोग तथा अनेक कटाई वाली जई में उर्वरक प्रबंधन आदि समस्याओं को लेकर बैठक में विस्तार से चर्चा की गई।

हिसार। बैठक को संबोधित करते डॉ. राजबीर गर्ग।

वैज्ञानिकों ने दी फसलवार प्रस्तुतियां

इसके अलावा कृषि वैज्ञानिकों ने फसलवार प्रस्तुतियां दीं, जिनमें अनुशंसित किस्मों, फसल उत्पादन प्रौद्योगिकियों, पौध संरक्षण उपायों और क्षेत्र की विभिन्न कृषि-जलवायु परिस्थितियों में किसानों द्वारा सामना की जाने वाली उभरती चुनौतियों के प्रदर्शन पर प्रकाश डाला गया। समिति ने पिछले खरीफ मौसम में आयोजित कृषि परीक्षणों के परिणामों पर चर्चा की तथा आगे आने वाले खरीफ मौसम में आयोजित किए जाने वाले कृषि परीक्षणों को अंतिम रूप दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	9-2-26	07	1-3

हकृवि में कृषि समस्याओं को लेकर क्षेत्रीय अनुसंधान व विस्तार सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

बैठक में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, जींद व भिवानी ज़िले के अधिकारियों ने लिया भाग

हिसार, 8 फरवरी (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग की अध्यक्षता में खरीफ फसलों के लिए हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जैड.आर.ई.ए.सी.) की बैठक हुई जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों तथा अनुभागों के अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिकों और हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, जींद तथा भिवानी जिला के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, बागवानी विभाग के अधिकारियों के अलावा कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयकों ने भी भाग लिया।

बैठक को सम्बोधित करते डॉ. राजबीर गर्ग।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के मार्गदर्शन में अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों से मिलजुल कर किसान हित में काम करने के लिए आग्रह किया तथा क्षेत्रीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य रूप से कपास में गुलाबी सूण्डी, उखेड़ा रोग, धान में विषाणु के कारण होने वाले बौनापन रोग, गेहूं में पीलापन, सरसों में सफेद रतुआ एवं तना गलन, चने में अमेरिकन सुंडी, चारा फसल बरसीम में तना गलन रोग तथा अनेक कटाई वाली जई में उर्वरक प्रबंधन आदि समस्याओं को लेकर बैठक में विस्तार से चर्चा की गई तथा संबंधित वैज्ञानिकों ने इन सभी समस्याओं का समाधान बताया। समिति ने पिछले खरीफ मौसम में आयोजित कृषि परीक्षणों के परिणामों पर चर्चा की तथा आगे आने वाले खरीफ मौसम में आयोजित किए जाने वाले कृषि परीक्षणों को अंतिम रूप दिया। संबंधित विभागों से प्राप्त सुझावों को शामिल किया गया। कृषि अधिकारियों ने पिछले खरीफ व वर्तमान रबी मौसम में विभिन्न फसलों के अंतर्गत बिजाई क्षेत्र तथा समस्याओं जैसे कीट व बीमारियों का प्रकोप, पौधों में पौषक तत्वों की कमी, खरपतवार की समस्या संबंधी रिपोर्ट बैठक में प्रस्तुत की। बैठक के समन्वक डॉ. भूपेन्द्र सिंह, सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) ने सभी का स्वागत किया तथा डा. सुरेश कुमार, संयुक्त निदेशक (फसल) भी उपस्थित रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	08.02.2026	--	--

हकृवि में कृषि समस्याओं को लेकर क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

● बैठक में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, जींद तथा भिवानी जिले के अधिकारियों ने लिया भाग

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग की अध्यक्षता में खरीफ फसलों के लिए हिसार जोन की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जैड.आर.ई.ए.सी.) की बैठक हुई जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों तथा अनुभागों के अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिकों और हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, जींद तथा भिवानी जिला के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, बागवानी विभाग के अधिकारियों के अलावा कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयकों ने भी भाग लिया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के मार्गदर्शन में अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों से मिलजुल कर किसान हित में काम करने के लिए आग्रह किया तथा क्षेत्रीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य रूप से कपास में गुलाबी सूण्डी, उखेड़ा रोग, धान में विषाणु के कारण होने वाले बौनापन रोग, गेहूं में पीलापन, सरसों में सफेद रतुआ एवं तना गलन, चने में अमेरिकन सूंडी, चारा फसल बरसीम में तना गलन रोग तथा अनेक कटाई वाली जई में उर्वरक प्रबंधन आदि समस्याओं को लेकर बैठक में विस्तार से चर्चा की गई तथा संबंधित वैज्ञानिकों ने इन सभी समस्याओं का समाधान बताया। इसके अलावा कृषि वैज्ञानिकों ने फसलवार प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें अनुशंसित किस्मों, फसल उत्पादन प्रौद्योगिकियों, पौध संरक्षण उपायों और क्षेत्र की विभिन्न कृषि-जलवायु परिस्थितियों में किसानों द्वारा सामना की जाने वाली उभरती चुनौतियों के प्रदर्शन पर प्रकाश डाला गया। समिति ने पिछले खरीफ मौसम में आयोजित कृषि परीक्षणों के परिणामों पर चर्चा की तथा आगे आने वाले खरीफ मौसम में आयोजित किए जाने वाले कृषि परीक्षणों को अंतिम रूप दिया। संबंधित विभागों से प्राप्त सुझावों को शामिल किया गया ताकि सिफारिशें अधिक किसान-केंद्रित और व्यावहारिक बन सकें।

कृषि अधिकारियों ने पिछले खरीफ व वर्तमान रबी मौसम में विभिन्न फसलों के अंतर्गत बिजाई क्षेत्र तथा समस्याओं जैसे कीट व बीमारियों का प्रकोप, पौधों में पौषक तत्वों की कमी, खरपतवार की समस्या संबंधी रिपोर्ट बैठक में प्रस्तुत की। बैठक के समन्वयक डॉ. भूपेन्द्र सिंह, सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) ने सभी का स्वागत किया तथा डा. सुरेश कुमार, संयुक्त निदेशक (फसल) भी उपस्थित रहे।